आकाशवाणी श्री विजयपुरम

05.01.2026 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा पच्हत्तर वर्श पूर्व पुनर्निमित सोमनाथ मंदिर श्रद्धा, भाौर्य और भारतीय संस्कृति का अनन्त नाद है।
- केन्द्रीय कृशि मंत्री ने तमिलनाडु में कहा मनरेगा में पारदर्□िता लाने के लिए विकसित भारत जी–राम–जी अधिनियम लाया गया।
- अंडमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ ने लोक निवास में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित भााह से मुलाकात की।
- मध्योत्तर अंडमान में नागरिक आपूर्ति विभाग व्यापारियों के लिए नौ जनवरी से मापन उपकरण सत्यापन अभियान भाुरू करेगा।

<><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछली कई सदियों में सोमनाथ मंदिर पर हुए हमलों के बावजूद मंदिर, भारतीय सभ्यता की आत्मा के जीवंत उदाहरण के रूप में शान से खड़ा हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि यह वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आज से एक हजार वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं द्वारा सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ शब्द सुनते ही देशवासियों के मन में अद्‌भुत साहस और गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए आशा का अनहद नाद है।

सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार में योगदान देने वालों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी, जब जीर्णोद्धार के बाद मंदिर भक्तों के लिए खोले जाने के पच्हत्तर वर्ष पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मई उन्नीस सौ इक्यावन में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में जीर्णोद्धार किया गया सोमनाथ मंदिर, एक बार फिर खुल गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सोमनाथ के पुनर्निर्माण का दायित्व, सरदार वल्लभभाई पटेल को सौंपा गया था।

<><><><><><>

उन्होंने स्मरण कराया कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में दीपावली के दौरान सरदार पटेल की सोमनाथ मंदिर की यात्रा ने उन्हें अत्यंत प्रभावित किया था, जिसके कारण उन्होंने उसी स्थान पर मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया, भारत को आशा और सकारात्मकता की नजरों से देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत की कला, संस्कृति, संगीत और कई त्यौहार वैश्विक स्तर पर पहचान बना रहे हैं, वहीं योग और आयुर्वेद, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देकर विश्व में सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

<><><><><><>

भारतीय तटरक्षक बल ने आज अपने बेड़े में पहले स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को शामिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोवा में इस पोत का उद्‌घाटन किया। 'समुद्र प्रताप' भारत का पहला प्रदूषण नियंत्रण जहाज है, जो सत्तर प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से तैयार किया गया है। यह पोत खासतौर पर समुद्र में तेल रिसाव का पता लगाने और उसे साफ करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस जहाज में एक हेलीकॉप्टर हैंगर भी है, जिससे इसकी परिचालन क्षमता और दूरी बढ़ जाती है। श्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में समुद्री जैव विविधता की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस पोत की तैनाती से कोरल रीफ और तटीय समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, यह जहाज समुद्री गश्त और खोज–बचाव कार्यों में भी मदद करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह जहाज 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

<><><><><><>

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मनरेगा योजना में पारदर्शिता लाने के लिए विकसित भारत जी राम जी अधिनियम लाया गया है। श्री चौहान ने तमिलनाडु के इरोड में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि योजना में लाभार्थियों के लिए रोजगार की अवधि एक सौ दिन से बढ़ाकर एक सौ पच्चीस दिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को भुगतान समय पर मिलेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि रोजगार मिलने के पन्द्रह दिन में लाभार्थियों को राशि का भुगतान नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

<><><><><><>

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अंडमान निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को लोक निवास में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने अंडमान निकोबार प्रशासन के नियमित कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं और मांगों को उनके समक्ष रखा। मुख्य मांगों में पूरे केंद्र शासित प्रदेश को कठिन क्षेत्र घोषित कर सभी कर्मचारियों को कठिन क्षेत्र भत्ता एवं विशेष प्रतिपूरक भत्ता प्रदान करना, समूह 'बी' पदों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष करना, राजभाषा से संबंधित पदों का सृजन, डीम्ड समाप्त पदों के लिए समग्र स्वीकृति, सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय की स्थापना, सूचना प्रौद्योगिकी संवर्ग एवं एसी संवर्ग के कर्मचारियों से जुड़े विषय तथा विशेष रूप से तकनीकी विभागों में पात्र अधिकारियों को विभागाध्यक्ष पद पर पदोन्नति देना शामिल था। डी आर एम के समायोजन से संबंधित एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने समस्याओं को गंभरीता से सुनने के बाद उनके समाधान का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व महासंघ के अध्यक्ष जयदीप कुमार डे, महासचिव एस. बीजू पिल्लै तथा वित्त सचिव ए. विजय नायर ने किया।

<><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान जिले के सभी व्यापारियों, बार मालिकों, ऑटो रिक्शा मालिकों तथा संबंधित सरकारी और अर्ध–सरकारी प्रतिष्ठानों के लिए नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले निदेशालय की टीम की ओर से शिविर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विधि मापन अधिकारी 9 से 20 जनवरी तक क्षेत्र में निरीक्षण करेंगे। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे सभी वजन एवं मापन उपकरणों का सत्यापन किया जाएगा। यह शिविर डिगलीपुर में 9 से 13 जनवरी तक आयोजित होगा। मायाबंदर में 14, बिलिग्राउंड में 15, रंगत में 16 से 18 जनवरी, कदमताला में 19 और बाराटांग में 20 जनवरी को शिविर लगाए जाएंगे। निर्धारित तिथियों के बाद यदि कोई व्यक्ति अप्रमाणित या दोषपूर्ण वजन और मापन उपकरणों का उपयोग करता है तो संबंधित कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

<><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिले के फ्लैग प्वाइंट में परमवीर सागर यात्रा – 2026 का ध्वजारोहण समारोह का आयोजन कल किया जाएगा। इसके मद्देनज़र यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया गया है। फ्लैग प्वाइंट पर आयोजित होने वाले समारोह के कारण कल सुबह छह बजे से सुबह साढ़े दस बजे तक इस क्षेत्र में सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि के दौरान सभी वाहनों को सर्किट हाउस मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। प्रशासन ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि वे यातायात प्रबंधन को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें तथा निर्धारित यातायात नियमों का पालन करें।

<><><><><><>